भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, मुख्यालय - ग्वालियर से संचालित

दैनिक पर्यटन समाचार

IITTM पर्यटन शिक्षा संस्कृति रक्षा

दिनांकः रविवार 19 सितम्बर 2021 संपादकः प्रो. (डॉ.) आलोक शर्मा, निदेशक, भापयाप्रसं पृष्ठ 1

"नीयत साफ़ और मकसद सही है तो यकीनन ईश्वर भी आपकी मदद करते हैं...!"

रविवार विशेषांक

सभी पाठकों को सादर नमस्कार!

प्रिय पाठकों, आज के रविवार विशेष में चलिए आपको ले चलते हैं **उत्तर पूर्वी अथवा पूर्वोत्तर भारत के भ्रमण पर और बताते हैं वहां के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।**

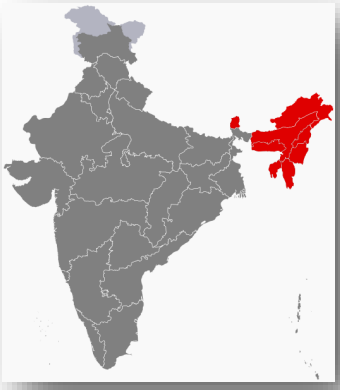

पूर्वोत्तर भारत से आशय भारत के सर्वाधिक पूर्वी क्षेत्रों से है जिसमें एक साथ जुड़े 'सात बहनों' के नाम से प्रसिद्ध राज्य असम, अरूणाचल, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैण्ड, शामिल हैं। सिक्किम राज्य 'सात बहनों' के अन्तर्गत नहीं आता है। पूर्वोत्तर भारत सांस्कृतिक दृष्टि से भारत के अन्य राज्यों से कुछ भिन्न है। भाषा की दृष्टि से यह क्षेत्र तिब्बती -बर्मी भाषाओं के अधिक प्रचलन के कारण अलग से पहचाना जाता है। इस क्षेत्र में वह दृढ़ जातीय संस्कृति व्याप्त है जो संस्कृतीकरण के प्रभाव से बची रह गई थी। इसमें विशिष्ट श्रेणी के मान्यता प्राप्त आठ राज्य भी हैं।

भारत का उत्तर-पूर्वी भाग प्राकृतिक पर्यटन के क्षेत्र में काफी उन्नत माना जाता है। यहां मौजद पहाड़ी गांव, घाटियां, नदी, झरने-तालाब और यहां कि संस्कृति बहुत हद तक सैलानियों को यहां आने पर मजबूर करती है। भारत का उत्तर पूर्वी क्षेत्र पहाड़ों के अनुपम सौंदर्य, शांत नरम बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी, काजीरजंगा के एक सींग वाले गैंडों, डिब्रूगढ़ के विशाल चाय बगानों, सबसे बड़ा नदी द्वीप, जोरहाट में माजुली, नागालैंड की जनजातीय संस्कृति, मिजोरम के पहाड़ के किनारे, और शिलांग के शाश्वत सौंदर्य और सिक्किम की घटाओं के लिए विशेष रुप से जाना जाता है। यही वजह है भारत आने वाले ज्यादातर विदेशी पर्यटक पूर्वोत्तर की सैर का आनंद जरूर लेते हैं।

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य सांस्कृतिक दृष्टि से काफी ज्यादा मायने रखते हैं। भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में ना केवल प्राकृतिक सुंदरता की अद्भुद झलक देखने को मिलती है बल्कि आपको यहां की संस्कृति एवं सभ्यता में रमने का अवसर भी प्राप्त होता है। भारत के यह राज्य भारत को उसके पड़ोसी देश जैसे नेपाल, भूटान एवं चीन इत्यादि से भी जोड़ते हैं। इनकी सीमाओं से लगे इन राज्यों में इन देशों की संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है।

आज के इस अंक के माध्यम से हम आपको उत्तर पूर्वी भारत के कुछ राज्यों के बारे में बता रहे हैं जहां आप अवश्य जाना चाहेगें और इनकी खूबसूरती में गुम हो जाना चाहेगें। तो चलिए शुरुआत करते हैं अपनी यात्रा की और चलते हैं त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम और नागालैंड की मनमोहक यात्रा पर .....!

संपादक मण्डल - डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. चन्द्रशेखर बरूआ. समाचार संग्रह व प्रस्तुति-मयंक दुबे. डिजाइन - दीपक मित्तल

त्रिपुरा

भव्य परिदृश्य, हरी-भरी घाटियां, और विशाल पहाड़ों के कारण यह जगह निश्चित रूप से आपके दिल को जीत लेने का दम रखती है। पांच पर्वत श्रृंखलाओं - बोरोमुरा, अथारामुरा, लोंगथराय, शाखन और जंपूई हिल्स द्वारा अंकित, यह एक सुंदरता से आशीर्वादित स्थल है। जिसे आप अपने जल निकायों, महलों, जंगल और वन्यजीवन के माध्यम से देख सकते हैं। यह देश का तीसरा सबसे छोटा राज्य, है। त्रिपुरा का समृद्ध अतीत है, जो यहां पाए गए ऐतिहासिक स्मारकों और महलों से स्पष्ट होता है। गुमती वन्यजीव अभयारण्य, त्रिशना वन्यजीव अभयारण्य, रोवा वन्यजीव अभयारण्य और सेपाहिजाला अभयारण्य का दौरा करके त्रिपुरा के समृद्ध वन्यजीवन का आप साक्षी बन सकते हैं। यहां आप विभिन जीव-जंतुओं को देख सकते हैं।

त्रिपुरा में यात्रा और आनंद लेने के लिए कई रोचक पर्यटक आकर्षण स्थल हैं। अगरतला त्रिपुरा की राजधानी में पता लगाने के लिए बहुत कुछ है। उज्जयंत पैलेस, कुंजान पैलेस, नेरमाहल पैलेस अगरतला में जाने के लिए कुछ प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थान हैं। धर्मपुगर त्रिपुरा में एक और महत्वपूर्ण शहर कालीबाड़ी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जहां आप धार्मिक रुप से जुड़ सकते हैं। रोआ वन्यजीव अभयारण्य, अफ्लोंग, जंपुई हिल्स शहर के अन्य आकर्षण हैं। भुवनेश्वरी मंदिर, नज़रूल ग्रंथगर, त्रिपुरा सुंदर मंदिर, मंदिरों के गुनाबाटी समूह, कल्याण सागर शहर के कुछ प्रमुख आकर्षण हैं। यहां कई त्यौहार अवं उत्सव मनाए जाते हैं जिनमें गरिया पूजा,खर्ची पूजा,केर पूजा,दुर्गा पूजा तीर्थमुख (त्रिपुरा की जनजातियों का प्रमुख तीर्थस्थल) है इत्यादि उत्सव मनाए जाते हैं।

मेघालय

मेघालय का नाम सुनते ही आपके सामने बारिश, हरे-भरे पेड़-पौधों का चित्र उभरने लगता है, यह बादलों का निवास स्थान है। उत्तर-पूर्वी भारत के अद्भुत स्थानों में से मेघालय अपने वर्षावनों के लिए जाना जाता है। यह राज्य प्राकृतिक आकर्षण से भरपूर समृद्ध है जिसमें चोटियों, गुफाओं, झरने, झीलों और प्राचीन जीवित जड़ पुल शामिल हैं। यह पर्यटकों को विभिन्न प्रकार की जगहें, गतिविधियां, भोजन और त्यौहारों प्रदान करता है। मेघालय में बहुत सी चीजें हैं। आप यहां आन जगहों से अलग पेड़ों की जड़ों से बने पुल के देख सकते है उन पर चल कर रास्ता पार कर सकते हैं। बादलों के निवास की सुंदरता को देखने के लिए चेरापूंजी, उमियम झील, वार्ड झील, हाथी फॉल्स और शिलांग चोटी पर जाएं। खासी हिल्स और गारो हिल्स पर्वतारोहण, चट्टान चढ़ाई, ट्रेकिंग और लंबी पैदल यात्रा के रूप में कई साहसिक पर्यटन अवसर प्रदान करते हैं।

प्रकृति के पैनोरमा का अनुभव करने के लिए हाथी फॉल्स, शदथम फॉल्स, नोक्कलिकाई फॉल्स, लैंगशियांग फॉल्स और स्वीट फॉल्स जैसे लोकप्रिय झरनों पर जाएं। जो यहां की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। नोंगखनम द्वीप मेघालय के कुछ खूबसूरत स्थानों में से एक है जो नदियों का आनंद लेने के लिए आदर्श स्थल है। यहां कई प्राचीन गुफाएं स्थित है जिनके बारे में आप जान सकते हैं। यह आपको काफी रोमांचित करेगा। इनमें से कुछ उपमहाद्वीप में सबसे लंबी और गहरी गुफाएं हैं। यही नहीं यहा की संस्कृति एवं सभ्यता को जानने के लिए आप इनके त्यौहारों में शामिल हो सकते हैं जिनमें खासियों का पांच दिन तक चलने वाला महोत्सव,का पेम्ब्लांग नोंग्रेम नृत्य,जिसे नोंग्रेम नृत्य भी कहते हैं,शिलांग से 11 किमी. दूर स्मित गाँव में पर्तिवर्ष आयोजित किया जाता है। यहां आप मेघालय की जनजातियों को जान सकते हैं।

भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) अपने सभी केंद्रों (ग्वालियर, नॉएडा, भुवनेश्वर, नेल्लोर व गोवा) के साथ 16 से 30 सितंबर 2021 तक मना रहा है — स्वच्छ भारत मिशन (एक कदम स्वच्छता की ओर) के तहत "स्वच्छता पखवाड़ा अभियान 2021"

सिक्किम

निचले हिमालय में स्थित सिक्किम पर्यटकों के लिए एक स्वर्ग है। हरे घाट घाटियों और चमकदार नदियों ने दुनिया भर से प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीवन उत्साही लोगों को आकर्षित किया है। सुंदर प्राकृतिक सुंदरता से गले लगाए गया, यह उत्तरपूर्वी राज्य शक्तिशाली कंचनजंगा के लुभावने दृश्य पेश करता है। यह दर्रा सिक्किम घूमने आए ट्रेकर्स और यात्रियों में मध्य काफी लोकप्रिय है। कहा जाता है कि आप यहां पहाड़ों को महसूस कर सकते हैं साथ ही यह जगह बेस्ट इको प्वाइंट के लिए भी जानी जाती है। जहां आप गहरी घाटियों और ऊंची चोटियों के माध्यम से अपनी गूंजती आवाज को सुन सकते हैं।

बर्फ से ढके हुए पर्वत, झीलों, झरने, और सुरम्य घाटियों से घिरा हुआ, सिक्किम एक शानदार खुशी प्रदान करता है। यदि आप प्रकृति प्रेमी है तो यह जगह आपको अवश्य पंसद आएगी। समुद्र तल की ऊंचाई में लगभग 5,500 फीट उपर स्थित यह बादलों का भी घर है। एन्ची मठ, रूमटेक मठ, माली मठ जैसे रहस्यमय मठ राज्य और हिमालयी क्षेत्र में बौद्ध धर्म की संस्कृति और मूल्य दर्शाते हैं। जहां आपको सुंदर दृश्यों के साथ अनुपम शांति का एहसास होगा। त्सोमगों झील, बाबा मंदिर, नाथुला पास, शून्य प्वाइंट, गणेश टोक, गुरुद्वोंग झील, हनुमान टोक, बंजखरी फॉल्स सिक्किम के अन्य प्रसिद्ध स्थलों में से एक हैं।

नागालैंड

एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ संयुक्त प्राकृतिक सौंदर्य को यदि आप महसूस करना चाहते हैं तको आप पूर्वोत्तर राज्य नागालैंड में आ सकते हैं। इसे 'नाग भूमि' अर्थात् सर्पों की भूमि भी कहते हैं| माउन्ट सारामती के बाद जाप्फू चोटी (3048 मी.) नागालैंड की दूसरी सबसे ऊँची चोटी है हॉर्नबिल महोत्सव के लिए प्रसिद्ध उत्तरी पूर्व भारत की यह आकर्षक भूमि दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करती है। यह देश के इस कम खोज वाले क्षेत्र को खोजने और अपने स्वदेशी जनजातियों के बारे में जानने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। नागा लोगों की भूमि अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता से आशीर्वादित है। यहां, आपको नीले पहाड़, घने जंगल, सुंदर घाटियां और सुखद वातावरण मिलेगा।

कोहिमा राज्य की राजधानी है जबकि दीमापुर नागालैंड का सबसे बड़ा शहर है। नागालैंड में कई उत्सव भी मनाए जाते हैं जिनमें शामिल होकर आप यहां की संस्कृति और सभ्यता को ज्यादा जान पाएगें। कोन्यक आओलिंग और फोम मोन्यु उत्सव,जनवरी में चखेसांग सुकरुन्ये उत्सव और फरवरी में कुकी मिम्कुत व अंगामी सेकरेंयी उत्सव इत्यादि नागालैंड के प्रमुख उत्सव एवं त्यौहार है।

आशा है आपको पूर्वोत्तर भारत की यह यात्रा अच्छी लगी होगी और आप जल्द से जल्द उत्तर पूर्व भारत की यात्रा पर जाने के लिए अपने बैग पैक करने की तैयारी में लग जायेंगे। रविवार विशेषांक के अगले अंक में पूर्वोत्तर भारत की इस यात्रा को जारी रखते हुए आपको बताएँगे कुछ और पर्यटन स्थलों के बारे में।

मुद्रा अद्यतन (##)

मुद्रा	मूल्य ₹
1 USD (US$)	73.68
1 EURO (€)	86.39
1 GBP (£)	101.23
1 JPY (¥)	0.670
1 AUD (A$)	53.66

(##) सभी आंकड़े लाइव मिड-मार्केट रेट हैं, जो उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं और केवल सूचना के उद्देश्य से हैं।

आप 'दैनिक पर्यटन समाचार' में पर्यटन विषय पर अपने लेख/विचार एवं अपने बहुमूल्य सुझाव देने के लिये हमें संपर्क कर सकते हैं। ईमेल द्वारा: social@iittm.ac.in व्हाट्सएप द्वारा: +91 70427 30070

#आज़ादीकाअमृतमहोत्सव #जयहिंद आपका दिन शुभ हो...।

@IITTMOFFICIAL @iittmofficial @IITTMOfficial

अस्वीकरण: भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर मुख्यालय द्वारा प्रस्तुत 'दैनिक पर्यटन समाचार' का मूल उद्देश्य पर्यटन अकादमिक जगत को दैनिक आधार पर हो रही घटनाओं व गतिविधियों से रूबरू कराना है, चूँकि पर्यटन जगत बहुत 'गतिक' (डायनेमिक) है। इस समाचार पत्र का स्त्रोत आधार विभिन्न सूचना माध्यमों से प्राप्त सम्प्रेषण है। अतः इनकी पुष्टि, संस्थान व संपादन मंडल नहीं करता है। हालांकि अकादमिक हित में इसकी प्रस्तुति केवल ज्ञान उन्नयन हेतु की जाती है।